Literacy for a Billion

Movie: Bhabhi (1957)
Year: 1957

Song: Chali Chali Re Patang
Lyricist: Rajinder Krishan

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे
चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

चली बादलों के पार
होके डोर पे सवार
सारी दुनिया ये देख देख
जली रे
चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

यूँ मस्त हवा में लहराए
जैसे उड़न खटोला उड़ा जाए
ओ ...
यूँ मस्त हवा में लहराए
जैसे उड़न खटोला उड़ा जाए

लेके मन में लगन
जैसे कोई दुल्हन
चली जाए रे सँवरिया की
गली रे

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे
चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

चली बादलों के पार
होके डोर पे सवार
सारी दुनिया ये देख देख
जली रे

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

आ ...

ओ हो हो
ओ हो हो ...

रंग मेरी पतंग का धानी
है ये नील गगन की रानी
ओ ...
रंग मेरी पतंग का धानी
है ये नील गगन की रानी
बाँकी बाँकी है उठान
है उमर भी जवाने
लागे पतली कमर बड़ी
भली रे

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे
चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

चली बादलों के पार
होके डोर पे सवार

सारी दुनिया ये देख देख
जली रे

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

आ हा हा
आ हा हा
आ हा हा
आ ...
ओ हो हो
ओ हो हो

छूना मत देख अकेली
है साथ में डोर सहेली
छूना मत देख अकेली
है साथ में डोर सहेली

है ये बिजली की तार
बड़ी तेज़ है कटार
देगी काट के रख
दिलजली रे

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे
चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

चली बादलों के पार
होके डोर पे सवार
सारी दुनिया ये देख देख
जली रे

चली चली रे पतंग मेरी
चली रे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.